Daily Gospel Reflections in Hindi

06 June 2019

लूकस 14:25-35

COST OF DISCIPLESHIP

आज का सुसमाचार शिष्यत्व की लागत के बारे में बता है। येसु एक विशाल जन समूह के साथ चल रहा था। येसु मुड़कर लोगों से कहते है कि मेरा शिष्य बनने के लिए अपने माता–पिता, पत्नी, संतान, भाई–बहन और अपने जीवन से भी अधिक प्रेम प्रभु और उनके राज्य से करना होगा। येसु यह बताना चाहते है कि शिष्य के जीवन में प्रथम स्थान येसु का होना है अपने परिवार नहीं।

येसु का शिष्य होने का दूसरा शर्त है क्रूस उठाकर येसु के पीछे जाना। जीवन के दु:खों में, कष्ठों में, हमें शिकायत नहीं करनी है, उसके नीचे नहीं दब जाना है बल्कि उसे कंधे पर लेकर येसु के पीछे जाना है। येसु का शिष्य होने का तीसरा शर्त भी है। येसु नमक के दृष्टांत के द्वारा हमें बताते है कि हमें पवित्र बनना है और दूसरों की भलाई करनी है। प्रभु सचेत करते है कि हम अपनी गलती के कारण, अपने पापों के कारण ईश्वर की कृपा न गँवा दे।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019